

परियोजना का नाम :-	जनपद रुद्रप्रयाग में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना के अन्तर्गत प्रस्तावित, जाबरी से जयकण्डी (अजयपुर से ककोला) मोटर मार्ग (लम्बाई 3.00 किमी) के नव निर्माण हेतु हस्तान्तरण प्रस्ताव।
--------------------	---

संयुक्त निरीक्षण रिपोर्ट

आज दिनांक 04.01.2019 को सिंचाई खण्ड लोनिविं पी०एम०जी०एस०वाई० रुद्रप्रयाग (एजेन्सी का नाम) के द्वारा चिनगवाड तक बनाये जाने वाले मार्ग/प्रस्तावित परियोजना को बनाये जाने हेतु स्थल निरीक्षण किया गया। संयुक्त निरीक्षण के समय वन विभाग की ओर से श्री शीशपाल सिंह नेगी, अनुभाग अधिकारी अगस्तमुनि राजस्व विभाग की ओर से श्री अमित सिंह पुण्डीर एवं श्री चन्द्र बल्लभ सिंह नेगी, राजस्व उपनिरीक्षक, प्रस्तावक विभाग की ओर से श्री जसपाल आर्य, कनिष्ठ अभियन्ता, स्थानीय प्रतिनिधि के रूप में ग्राम प्रधान के द्वारा प्रश्नगत परियोजना को बनाने हेतु सर्वश्रेष्ठ स्थल/समरेखन के चयन तथा अन्य वैकल्पिक स्थलों/समरेखनों के चयन हेतु भाग लिया गया।

संयुक्त निरीक्षण में पाया गया कि सामाजिक आवश्यकता, परिस्थितिक आवश्यकता, आर्थिक भित्तिया तथा तकनीकी आवश्यकता के दृष्टि से जो समरेखन/स्थल सर्वथा उपयुक्त पाया गया है उसमें 920(मी०) नाप भूमि से, 0.000 (भी०) सिविल भूमि से, 2080 (भी०) वन पंचायत से, 0.000 (भी०) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 0.828 हेतु नाप भूमि 0.000 हेतु सिविल भूमि 1.456 हेतु वन पंचायत भूमि 0.000 हेतु आरक्षित वन भूमि तथा मक निस्तारण हेतु 0.045 हेतु भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 1.501 हेतु भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग 32 वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से 01 बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

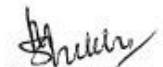
इस समरेखण के तुलना में जो वैकल्पिक समरेखण देखे गये उसमें 920 (भी०) नाप भूमि से, शून्य (भी०) सिविल भूमि से, 2380 (भी०) वन पंचायत से, शून्य (भी०) आरक्षित वन भूमि प्रभावित होगी एवं इस समरेखण/स्थल के चयन में कुल 0.828 हेतु नाप भूमि शून्य हेतु सिविल भूमि 1.540 हेतु वन पंचायत भूमि 0.000 हेतु आरक्षित वन भूमि की आवश्यकता होगी। जिनमें से कुल 1.540 हेतु भूमि के हस्तान्तरण की आवश्यकता होगी। इस समरेखन पर/चुने गये स्थल पर लगभग 52 वृक्ष विभिन्न प्रजाति के इस परियोजना के निर्माण से प्रभावित होंगे, जिनमें से 04 बांज प्रजाति के प्रभावित होंगे।

अतः परियोजना के निर्माण हेतु चयनित विकल्प संख्या प्रथम के वन भूमि के अतिरिक्त अन्य वैकल्पिक एवं उपयुक्त भूमि उपलब्ध नहीं हैं तथा इस चुने गये वन भूमि की मांग न्यूनतम है।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण आरक्षित वन 0.20-0.30 कक्षों से गुजरेगा/में स्थित है। इन कक्षों की वर्तमान वन आच्छादन 20-30 प्रतिशत है एवं इन कक्षों में विभिन्न प्रजाति के वन हैं। प्रभावित होने वाली नाप भूमि 76 संख्या विभिन्न प्रजाति के वन हैं एवं प्रभावित होने वाली वन पंचायत पर शून्य वृक्ष विभिन्न प्रजाति के वन हैं जिनका वर्तमान वन आच्छादन 20-30 प्रतिशत है। चुने गये समरेखन का प्रारम्भ होने के स्थल का GPS मान है तथा यह स्थल बरसू से प्रारम्भ होता है तथा समरेखण का अन्तिम स्थल चिनगवाड है जिसका छै मान है। चुने गये समरेखण/स्थल के बीच के स्थलों के छै मान संलग्न हैं।

चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण किसी राष्ट्रीय पार्क/वन्य जीव अभ्यारण्य का हिस्सा है/नहीं है। चयनित उपयुक्त स्थल/समरेखण के चयन से ग्रामवासियों के परम्परागत अधिकारों का हनन होगा / नहीं होगा।

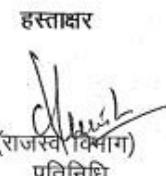
इस समरेखण पर निर्माण के दौरान जो मलवा उत्सर्जित होगा उसके निस्तारण हेतु कृषकों की भूमि पर खड़ साइड में मार्ग के समान्तर वायर क्रेट लगाकर उत्सर्जित मलवे का निस्तारण किया जायेगा जो स्थल उपयुक्त पाये गये हैं जिनका छै मान


 उप वन संरक्षक
 रुद्रप्रयाग वन प्रभाग
 रुद्रप्रयाग


 हस्ताक्षर

(प्रयोक्ता एजेन्सी)
 प्रतिनिधि


 हस्ताक्षर
 प्रतिनिधि


 हस्ताक्षर
 (राजस्व विभाग)
 प्रतिनिधि


 हस्ताक्षर
 (जन प्रतिनिधि)
 प्रतिनिधि